।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fortnightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan ki

RNI No.: WBHIN/2021/84049

विक्रम संवत 2083, आश्विन, शुक्ल पक्ष षष्ठी, 16-31 अक्टूबर 2026 (16-31 October 2026), वर्ष-6 (YEAR-6), अंक - 12, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (PRICE- 2/-)

महालया पर ईडन गार्डेंस में मेगा आयोजन

3,000 ढाकियों ने एक साथ ढाक बजाकर मां दुर्गा का किया स्वागत, बना विश्व रिकार्ड

सोनू कुमार झा: आसमान में मां दुर्गा की दिव्य छवि, धरती पर हजारों ढाकियों की गूंजती थाप और चारों ओर उमड़ता आस्था का सैलाब। महालया की शुभ संध्या पर कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डेंस स्टेडियम में बंगाल ने दुर्गोत्सव का ऐसा भव्य शंखनाद किया, जिसमें परंपरा और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला।

3,000 ड्रोन से भव्य ड्रोन शो के जरिए आसमान में मां दुर्गा की मनोहारी छवियां उकेरी गईं, तो 3,000 ढाकियों ने एक साथ ढाक बजाकर समां बांध दिया। 3,000 ढाकियों के इस सामूहिक ढाक वादन को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को इस उपलब्धि का प्रमाण पत्र सौंपा गया। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा सरकार द्वारा पहली बार महालया पर आयोजित इस स्तर के मेगा कार्यक्रम ने दुर्गोत्सव के आगमन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण 3,000 ड्रोन से आकाशीय प्रदर्शन और करीब 3,000 ढाकियों द्वारा एक साथ ढाक बजाने की सामूहिक प्रस्तुतियों सहित थ्री-डी मैपिंग, लेजर शो और आतिशबाजी रहा।

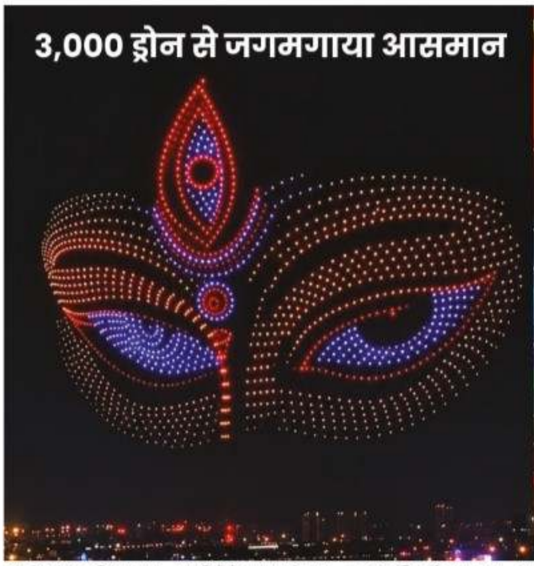

राज्य के विभिन्न जिलों से आए लगभग 6,000 कलाकारों द्वारा लोक नृत्य व संगीत की प्रस्तुतियों ने भी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राज्यपाल आरएन रवि सहित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन व अन्य विशिष्ट लोग समारोह में उपस्थित रहे। राज्य सरकार के अधिकतर मंत्री और सत्तारूढ़ दल के सांसद व विधायकगण इस दौरान उपस्थित रहे।

रेड रोड से ईडन तक दिखी बंगाल की सांस्कृतिक छटा

कार्यक्रम की शुरुआत रेड रोड पर भव्य शोभायात्रा से हुई। बंगाल के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने लोकनृत्य, संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की। इसके बाद मुख्य आयोजन ईडन गार्डन्स में हुआ। कार्यक्रम में बालीवुड गायक शान ने भी अपनी प्रस्तुति दी। 45,000 से अधिक लोग इस मेगा आयोजन के गवाह बने। राज्य सरकार की ओर से कोलकाता सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में ज्वाइंट स्क्रीन भी लगाए गए थे, जहां कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया गया। राज्य के इतिहास में यह पहली बार है जब इस तरह का भव्य आयोजन के जरिए दुर्गा पूजा की शुरुआत हुई है।

बंगाल में 12,400 नई दुर्गापूजाओं को मंजूरी, मिलेंगे 1-1 लाख रुपये

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कहा कि बंगाल में इस वर्ष दुर्गोत्सव का दायरा बढ़ने जा रहा है।

राज्य में 12,400 नई दुर्गापूजा समितियों को आयोजन की अनुमति दी गई है। इन सभी पूजा समितियों के लिए आर्थिक सहायता भी स्वीकृत की गई है। राज्य सरकार दुर्गापूजा समितियों को अनुदान राशि बांटना शुरू करेगी। प्रत्येक समिति को एक लाख रुपये दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष राज्य में लगभग 45,000 दुर्गापूजाएं आयोजित हुई थीं। इस बार इनके अलावा 12,400 नई पूजाओं को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 200 से अधिक दुर्गापूजा समितियों ने सरकारी अनुदान लेने से मना कर दिया है। इन समितियों ने सरकार से आग्रह किया है कि यह सहायता ग्रामीण बंगाल की पूजा समितियों और महिलाओं द्वारा संचालित आयोजनों को दी जाए।

राज्य सरकार प्रत्येक दुर्गापूजा समिति को एक लाख रुपये का अनुदान दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने इस वर्ष दुर्गोत्सव की शुरुआत पारंपरिक हिंदू पंचांग के अनुसार देवीपक्ष में करने का निर्णय लिया है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि पहले दुर्गापूजा की अनुमति के लिए समितियों को कलकत्ता हाई कोर्ट तक जाना पड़ता था, लेकिन इस बार ऐसी स्थिति सामने नहीं आई है।

नौकरी के साथ कमल से प्यार

छत पर खिलाया 30 प्रजातियों का अनोखा बगीचा

सौरव कुमार झा: नौकरी की व्यस्त जिंदगी के बीच जब भी थोड़ा समय मिलता है, अभिजीत हाजरा अपनी छत पर पहुंच जाते हैं। यहां उनका इंतजार करते हैं अलग-अलग रंगों और प्रजातियों के कमल। कभी शौक के तौर पर लगाए गए एक छोटे से कमल के पौधे से शुरू हुई उनकी कहानी आज 120 गमलों और 30 अलग-अलग प्रजातियों के कमल तक पहुंच चुकी है। मध्य हावड़ा के नस्करपाड़ा स्थित उनका घर अब अपनी छत पर बने अनोखे कमल उद्यान के कारण अलग पहचान बना चुका है।

अभिजीत पेशे से नौकरीपेशा हैं, लेकिन कमल के पौधों की देखभाल के लिए वह रोज करीब चार घंटे समय निकालते हैं। घर की छत और टीन की छत पर रखे करीब 120 गमलों में कहीं गुलाबी, कहीं सफेद तो कहीं दूसरे रंगों के कमल खिले नजर आते हैं। हर मौसम में खिलने वाले इन फूलों से उनकी छत किसी खूबसूरत बगीचे जैसी दिखाई देती है।

अभिजीत बताते हैं कि उन्होंने शुरुआत में केवल शौक के लिए एक कमल का पौधा लगाया था। धीरे-धीरे उस पौधे के फूलों ने उनका मन मोह लिया। इसके बाद उन्होंने कमल की अलग-अलग प्रजातियों को जुटाना शुरू किया। देखते ही देखते शौक जुनून में बदल गया और उन्होंने अपनी छत को ही कमल के बगीचे में तब्दील कर दिया।

कमल के साथ डेंगू से बचाव का भी इंतजाम

छत पर इतने बड़े पैमाने पर पानी जमा रहने के बावजूद मच्छरों का प्रजनन न हो, इसका भी अभिजीत विशेष ध्यान रखते हैं। डेंगू के मच्छरों के लार्वा को रोकने के लिए उन्होंने कमल के करीब 120 गमलों के पानी में गप्पी मछलियां छोड़ रखी हैं। उनका कहना है कि गप्पी मछलियां मच्छरों के लार्वा को खा जाती हैं, जिससे मच्छरों के पनपने की संभावना कम होती है।

शौक से शुरू हुआ काम अब कमाई का जरिया भी

कमल के प्रति अभिजीत का लगाव अब केवल बागवानी तक सीमित नहीं है। वह कमल के ट्यूब और कंद भी तैयार करते हैं और इन्हें राज्य के बाहर तक बेचते हैं। उनका कहना है कि सही तरीके और उचित देखभाल के साथ कमल की खेती से अतिरिक्त आय भी हासिल की जा सकती है।

अभिजीत का दावा है कि 4 मई के बाद राज्य में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद कमल की मांग में भी इजाफा हुआ है।

घर की पूजा में भी अपने बगीचे के कमल

अभिजीत की पत्नी मिताली हाजरा भी इस खूबसूरत बगीचे की देखभाल में उनका साथ देती हैं। घर के कामकाज के बीच वह भी पौधों की देखरेख के लिए समय निकालती हैं। मिताली बताती हैं कि उनके घर में देवी-देवताओं की पूजा के लिए बाजार से फूल खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती। घर की छत पर खिलने वाले कमल से ही पूजा की जाती है। दुर्गापूजा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में अपने हाथों से तैयार किए गए बगीचे के फूलों का इस्तेमाल करना इस दंपती के लिए खास अनुभव है। मिताली के मुताबिक, अपने लगाए पौधे से निकले फूलों से पूजा करने का आनंद ही अलग है।

कमल का मौसम खत्म होते ही छा जाती है उदासी

हालांकि कमल का मौसम खत्म होने के साथ ही इस दंपती को अपनी छत कुछ सूनी-सूनी लगने लगती है। सर्दियों में कमल के फूल खिलना लगभग बंद हो जाते हैं। ऐसे में अभिजीत और मिताली को अगले मौसम का इंतजार रहता है, जब उनकी छत एक बार फिर रंग-बिरंगे कमलों से सज उठेगी।

एक छोटे से शौक से शुरू हुआ अभिजीत का सफर आज 120 गमलों और 30 प्रजातियों के कमल तक पहुंच चुका है। मध्य हावड़ा की यह छत सिर्फ फूलों का बगीचा नहीं, बल्कि एक नौकरीपेशा व्यक्ति के प्रकृति प्रेम, मेहनत और जुनून की ऐसी कहानी है, जिसने उनके शौक को उनकी अलग पहचान बना दिया है।

सरकार 'शत्रु संपत्तियों' की संरक्षक बनेगी

बंगाल में हैं कुल 4,376 शत्रु संपत्तियां, इनमें 4,320 पाकिस्तानी और 56 चीनी नागरिकों से संबंधित हैं

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य में स्थित सभी 'शत्रु संपत्तियों' का संरक्षक बंगाल सरकार को बनाने जा रही है। शत्रु संपत्तियों से तात्पर्य उन चल और अचल संपत्तियों से है, जिनमें जमीन, इमारतें, शेयर और बैंकों में जमा सोना शामिल हैं। ये संपत्तियां उन लोगों की हैं जो भारत के शत्रु माने जाने वाले देशों में जाकर बस गए और वहां की नागरिकता ले ली है।

मुख्यमंत्री ने को मुर्शिदाबाद जिले के लालबाग में दुर्गा पूजा समारोह का उद्घाटन करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य इन संपत्तियों से होने वाली आय का इस्तेमाल स्थानीय विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए करना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व वाले गृह मंत्रालय ने इस कदम को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में हाल ही में नई दिल्ली में हुई बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की बैठक के दौरान चर्चा हुई थी। सूत्रों के अनुसार, भारत में शत्रु संपत्तियों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या बंगाल में है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 18 दिसंबर 2024 को राज्यसभा में बताया था कि बंगाल में कुल 4,376 शत्रु संपत्तियां हैं। इनमें 4,320 पाकिस्तानी और 56 चीनी नागरिकों से संबंधित हैं।

राज्य में ज्यादातर ऐसी संपत्तियां मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद, मालदा, कोलकाता और उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना जिलों में स्थित हैं। मुर्शिदाबाद में सर्वाधिक 1,728 शत्रु संपत्तियां हैं, जबकि कूचबिहार में 711, पूर्व बर्द्धमान जिले में 625 और बीरभूम में 427 संपत्तियां हैं। मुख्यमंत्री की घोषणा यदि अमल में आती है, तो इन संपत्तियों से होने वाली आय राज्य के विकास को नई गति दे सकती है। लेकिन इसके लिए पहले कब्जे, स्वामित्व और प्रबंधन की उलझी हुई तस्वीर साफ करनी होगी।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि सर्वेक्षण में 536 संपत्तियों पर अतिक्रमण पाया गया था। इनमें से 49 मामलों में बेदखली की कार्यवाही शुरू हुई थी। हालांकि, कितनी संपत्तियां वास्तव में कब्जामुक्त कराई गईं, इसका स्पष्ट आंकड़ा उपलब्ध आधिकारिक जवाब में नहीं दिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में इन संपत्तियों से 69.72 लाख रुपये का पट्टा किराया मिला था, जबकि कोई संपत्ति बेची नहीं गई।

Election Pro

WIN YOUR WARD.
LEAD WITH CONFIDENCE.

LOCAL ELECTION CAMPAIGN SOLUTIONS | HOWRAH & KOLKATA

PLAN YOUR WARD CAMPAIGN TODAY

WhatsApp 7003290832 | Call 9804320503 | theelectionpro.com

पारिवारिक और राष्ट्रीय जीवन में मार्शल आर्ट की महत्वपूर्ण भूमिका: राज्यपाल

हावड़ा: वर्तमान जीवन में मार्शल आर्ट का महत्व लगातार बढ़ रहा है। मार्शल आर्ट केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से स्वस्थ और सक्रिय रहने के लिए भी जरूरी है। यह किसी भी व्यक्ति के व्यक्तिगत, पारिवारिक और राष्ट्रीय जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बात राज्यपाल आर.एन. रवि ने डुमुरजला इंडोर स्टेडियम में फर्स्ट गवर्नर्स कप इनविटेशनल मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2026 का उद्घाटन करते हुए कही।

इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में मार्शल आर्ट की परंपरा बेहद प्राचीन है। करीब 1700 वर्ष पहले दक्षिण भारत के एक मनीषी मार्शल आर्ट की इस कला को चीन लेकर गए और वहां इसका प्रचार-प्रसार किया। इसके बाद यह कला जापान, कोरिया सहित विभिन्न देशों में फैल गई।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में भारत में भी मार्शल आर्ट का व्यापक रूप से अभ्यास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने और इसके प्रति लोगों में रुचि पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है।

बात हिंदुस्तान की

— सच की बात, सबके साथ —

हर खबर अब एक क्लिक पर

ताजा खबरें | गहराई से विश्लेषण | राजनीति | अर्थव्यवस्था | खेल | समाज | संस्कृति | वीडियो न्यूज

www.baathindustanki.com

विश्वसनीय और निष्पक्ष खबरें | जमीनी मुद्दों की सही आवाज | तथ्यपूर्ण रिपोर्ट और विश्लेषण | कभी भी, कहीं भी आपके साथ

हावड़ा से कोलकाता तक दुर्गा पूजा की धूम, श्रद्धालुओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

हावड़ा: पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान हावड़ा से लेकर कोलकाता तक लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों में आकर्षक दुर्गा पूजा मंडपों, भव्य सजावट और मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमाओं के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। चारों ओर उत्सव का माहौल है और लोगों में पूजा को लेकर विशेष उमंग दिखाई दे रही है।

दुर्गा पूजा के इस उल्लास में क्या बुजुर्ग, क्या युवा और क्या बच्चे, हर उम्र के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। परिवार के साथ लोग एक पूजा मंडप से दूसरे मंडप तक पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन कर रहे हैं। कई स्थानों पर आकर्षक थीम, रंग-बिरंगी रोशनी और कलात्मक सजावट लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पूजा मंडपों में उमड़ती भीड़ से सड़कों और बाजारों में भी रौनक देखने को मिल रही है। हावड़ा के विभिन्न क्षेत्रों से लेकर कोलकाता के प्रमुख पूजा मंडपों तक उत्सव की छटा बिखरी हुई है। शाम होते ही रोशनी से जगमगाते पूजा पंडालों की खूबसूरती देखते ही बन रही है।

श्रद्धालु मां दुर्गा के दर्शन के साथ-साथ पूजा मंडपों की कलात्मक सजावट का आनंद ले रहे हैं। बच्चे अपने परिवार के साथ घूमने को लेकर उत्साहित हैं, वहीं बुजुर्ग भी इस धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव में पूरे मन से शामिल हो रहे हैं।

दुर्गा पूजा केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि बंगाल की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। इस अवसर पर विभिन्न समुदायों के लोग उत्सव में भाग लेकर आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश देते हैं। पूजा के दौरान बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ती चहल-पहल ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया है।

कुल मिलाकर, 2026 में हावड़ा से कोलकाता तक दुर्गा पूजा का उत्साह लोगों के बीच आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मां दुर्गा के दर्शन, भव्य पूजा मंडप और उत्सव की रौनक के बीच हर तरफ श्रद्धा, उमंग और उल्लास का वातावरण देखने को मिल रहा है।

चटर्जी हाट अग्रदूत क्लब, फोटो : रॉबिन दोलोई

दुर्गा पूजा के अवसर पर सियालदह रेलवे स्टेशन

बाली घोषपाड़ा सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति, फोटो: सृंजय

बालीटिकुड़ी सजीव संघ के दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हावड़ा नगर निगम के पूर्व मेयर परिषद सदस्य विभाष हाजरा और डा. अभिषेक जायसवाल। संजीब संघ द्वारा पूजा आयोजन का इस बार 72वां वर्ष है। इस बार पूजा की थीम 'मनतपुरी' रखी गई है, जो पुरी के जगन्नाथ मंदिर से जुड़ी मन्नतों और धार्मिक विश्वास पर आधारित है।

मनसातल्ला पोलिवासी वृन्द, फोटो: शंकर सरकार

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में पटाखे पूरे साल बैन, बनाने-बेचने पर रोक नहीं

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर लगी रोक पूरे साल लागू कर दी। यह रोक नवरात्रि, दीवाली, क्रिसमस और अन्य सभी त्योहारों पर लागू होगी। आदेश

पूरे महाराष्ट्र में त्योहारों के जुलूसों के दौरान शोर और वायु प्रदूषण रोकने के लिए दिया गया है। जस्टिस गिरीश एस. कुलकर्णी और जस्टिस नीला के. गोखले की खंडपीठ ने यह निर्देश दिया। बेंच ने कहा, जब तक नागरिक हालात की जरूरत को नहीं समझेंगे और शहरों में रहने के लंबे समय के खतरों के प्रति जागरूक नहीं होंगे, तब तक हालात बिगड़ते रहेंगे। ऐसे शहर गैस चैंबर में बदल सकते हैं।

ट्विशा डेथ केस में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल में ट्रायल रोका

एमपी हाईकोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत पर अब 26 अक्टूबर को सुनवाई

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल के सेशन कोर्ट में चल रहे ट्रायल पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई दिल्ली ट्रांसफर करने की याचिका पर विपक्षी पक्ष को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। शीर्ष अदालत ने मुकदमे को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर सीबीआई, त्विशा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने यह आदेश त्विशा के पिता नवनीध शर्मा की याचिका पर दिया।

संसद का स्पेशल सेशन बुलाने की है तैयारी!

मोदी सरकार इसी महीने बुला सकती है सत्र, विरोध में है विपक्ष

लोकसभा सीटें बढ़ाने और परिसीमन बिल पेश करने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी विरोध के बीच सरकार इस महीने के आखिर में संसद का एक विशेष सत्र बुला सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद के इस विशेष सत्र को बुलाने के पीछे की वजह परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े बिलों को फिर से संसद के सामने पेश करके पास कराना है। सदन में मौजूद सांसदों की संख्या को लेकर सरकार को पूरा भरोसा है कि इस बार महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल को पास कराया जा सकता है। बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए लाया गया संविधान संशोधन बिल (जिसमें परिसीमन भी शामिल था) निचले सदन में पास नहीं हो सका था।

बिल पास कराने के लिए सरकार का नंबर गेम

संविधान संशोधन के लिए संसद में बहुमत की जरूरत होती है। इसका मतलब है कि दोनों सदनों में मौजूद और वोट देने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए। सरकार को ये बिल पास कराने के लिए 360 सीटों की जरूरत है। लोकसभा की मौजूदा संख्या 540 है। तृणमूल और शिवसेना के सांसदों के सत्ता पक्ष में शामिल होने से इस बार सदन में स्थिति बदल सकती है। मौजूदा संसद में एनडीए के पास बहुमत तो है, लेकिन उनके पास वह जादुई आंकड़ा (दो-तिहाई बहुमत) नहीं है। हालांकि, पिछले सत्र के मुकाबले सरकार की स्थिति बेहतर हुई है। तृणमूल के 20 सांसद और शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसद सत्ता पक्ष में शामिल हो गए हैं।

सचिन पायलट ने बता दिया क्या है पार्टी का प्लान

पंजाब में बिना सीएम फेस के चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने जीत का दावा किया है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने कहा है कि राज्य में अगली सरकार 100 प्रतिशत कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता बदलाव चाहती है और पार्टी के पास चुनाव जीतने के लिए मजबूत टीम है। पायलट ने पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष परगट सिंह को 'सबको साथ लेकर चलने वाला कप्तान' बताते हुए कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

पायलट ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए किसी एक चेहरे को आगे करके चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को जनता का जनादेश मिलने के बाद कार्यकर्ताओं, नेताओं और विधायकों की राय सुनी जाएगी। इसके बाद ही तय किया जाएगा कि राज्य का नेतृत्व कौन करेगा। पायलट ने कहा कि जब कांग्रेस विपक्ष में होती है, तो नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता मिलकर चुनाव की तैयारी करते हैं।

मेरठ सांप कांड में रविता और अमरदीप को फांसी

पति का गला घोंटने के बाद बिस्तर पर छोड़ दिया था सांप

मेरठ कोर्ट ने तीन दिन में 4 दोषियों को मौत की सजा दी

मेरठ (एजेंसी)। अपने पति की गला दबाकर हत्या करने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पहले पति अमित कश्यप का गला दबाकर उसकी जान ली और इसके बाद इस हत्याकांड को हादसा दिखाने के लिए उसके बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम

रिपोर्ट ने रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। 12 अप्रैल 2025 की इस घटना में आखिरकार आज इंसाफ हो गया। मेरठ के एडीजे 12 जयवीर सिंह नागर की कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। आरोपी रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई।

12 अप्रैल 2025 को हत्या की थी

मेरठ के बहसूमा क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 12 अप्रैल 2025 की रात को अमित कश्यप की हत्या कर दी गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारा मामला सामने आ गया। पुलिस ने पति अमित की हत्या में पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। 7 अक्टूबर को कोर्ट ने रविता और अमरदीप को दोषी कर दिया था। आज कोर्ट ने दोनों को सजा सुनाई है। पुलिस को जांच के दौरान हत्या वाले दिन पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के बीच 50 से ज्यादा बार बातचीत की कॉल डिटेल मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, तो हत्या की सारी सच्चाई सामने आ गई थी। बता दें कि इससे पहले 14 अक्टूबर को कोर्ट ने सौरभ हत्याकांड में मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को भी फांसी की सजा सुनाई थी।

11 दिसंबर को कनाडा जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

ट्रेड डील पर होगी बातचीत, कारोबार बढ़ाने के नियम तय होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 से 12 दिसंबर को कनाडा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना भी है। इसके तहत दो देश व्यापार, निवेश और कारोबार बढ़ाने के लिए नियम तय करते हैं। भारत और कनाडा 2030 तक आपसी कारोबार को बढ़ाकर सालाना 7 लाख करोड़ रुपए करना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने मार्क कार्नी से फोन पर बात की थी

प्रधानमंत्री मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच 13 अक्टूबर को फोन पर बातचीत हुई। मोदी ने इसे अच्छी बातचीत बताया। दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, सुरक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर सहमति जताई।

घर से निकलते ही दीपके गिरफ्तार

तिरंगा मार्च के लिए कनॉट प्लेस पर जा रहे थे सीजेपी चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने तिरंगा यात्रा के लिए निकले अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इसके लिए दीपके व अन्य सीजेपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी। 6 दिनों में दीपके को दूसरी बार कस्टडी में लिया गया है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें हिरासत में लिया गया था, अगले दिन छोड़ दिया गया। नई दिल्ली जिले में बीएनएस की धारा 163 लागू है। यानी 4 या 4 से ज्यादा लोग इकट्ठा नहीं हो सकते हैं। इससे पहले दिल्ली पुलिस झंडेवालान स्थित उस बंगले पर पहुंची थी, जहां सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ठहरे हुए थे। पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन नहीं करने का नोटिस दिया था। इस दौरान दीपके की पुलिस से बहस हो गई थी। उन्होंने पुलिस से कहा कि यह कोई रैली या प्रोटेस्ट नहीं है। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर तिरंगे के सम्मान और देश के गौरव को बनाए रखने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि हमारे तिरंगे को सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिए और देशभक्ति हर व्यवहार में दिखाई देनी चाहिए। साथ ही, दिल्ली पुलिस ने संदेश दिया, तिरंगे का सम्मान करें और देश का गौरव बनाए रखें। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' मार्च से पहले सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हलचल तेज हो गई थी।

पांचवें नवरात्रे तक 2.23 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के किए दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। जारी नवरात्रों के दौरान हर दिन मां भगवती के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं में उछाल देखने को मिल रहा है। वैष्णो देवी भवन सहित यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योढी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पहले पांच नवरात्रों के दौरान 2,23,657 श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी भवन पर मां भगवती की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। इन श्रद्धालुओं को सुविधाएं देने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सी.आर.पी.एफ. की 6 बटालियन और जिला प्रशासन हरसंभव प्रयास कर रहा है। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से मिले अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पहले नवरात्र पर 47374, दूसरे नवरात्र पर 48280, तीसरे नवरात्र पर 46449 और चौथे नवरात्र यानी बुधवार को 41863 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दरबार में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया था, तो वहीं गुरुवार सुबह से ही वैष्णो देवी यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योढी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिली। गुरुवार रात 10 बजे तक 39,691 श्रद्धालुओं ने आर.एफ.आई.डी. कार्ड लेकर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि जारी नवरात्रों के दौरान करीब 4 लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी भवन पर नमन करेंगे।

पंजाब में बिना मुख्यमंत्री चेहरे के चुनाव में उतरेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि पार्टी किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव मैदान में उतरेगी। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने दावा किया कि राज्य में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। पायलट के मुताबिक, चुनाव में जनादेश मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं की राय ली जाएगी। इसके बाद राज्य के नेतृत्व पर निर्णय होगा। उन्होंने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह को टीम को साथ लेकर चलने वाला कप्तान बताते हुए कहा कि चुनाव में सफलता के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का योगदान जरूरी है। सचिन पायलट ने चुनावी मुकाबले की तुलना क्रिकेट से करते हुए कहा कि जीत के इरादे से मैदान में उतरने वाली टीम के लिए लक्ष्य हासिल करना संभव है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस के पास मजबूत संगठन तथा चुनाव जीतने की क्षमता है।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर निशाना : मतदाता सूची के जरिए साजिश का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग (ईसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चुनाव आयोग के माध्यम से एक बड़ी साजिश रच रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि वे सीधे चुनावी मुकाबले में जीत नहीं सकते। लखनऊ में प्रेसवार्ता को संबोधित कर अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में बार-बार होने वाले संशोधनों की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से केवल एक बार संशोधन करने की मांग की, न कि बार-बार करते रहने की। उन्होंने कहा, चूंकि आपने पूरी तैयारी के साथ विशेष पुनरीक्षण (एसएसआर) का फैसला लिया है, तब इस अंतिम नामांकन तक इसतरह ही रहने दें। सपा प्रमुख यादव ने कटाक्ष कर कहा, जब उनकी कोई भी योजना काम नहीं आई, तब अब वे एसएसआर का सहारा ले रहे हैं, और अगर आप एसएसआर को उल्टा कर दें, तब आरएसएस बन जाता है! सपा प्रमुख ने अधिकारियों पर मतदाता सूची में लगातार संशोधन करने का दबाव डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिना पंजीकरण वाले, अंधेरी सुरंगों में रहने वाले और नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति जानते हैं कि अब सीधा मुकाबला संभव नहीं है, इसलिए वे चुनाव आयोग के जरिए यह साजिश रच रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर चिंता व्यक्त कर कहा कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही नाम कई बार दर्ज है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को सिस्टम में किसी भी हेरफेर को नाकाम करने के लिए हर स्तर पर सतर्क रहने का आह्वान किया।

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन चुनावी प्रक्रिया से होता : कांग्रेस

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में सरकार बदलना विपक्ष का अधिकार है और यह चुनाव के जरिए ही संभव है। दिल्ली में एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता खेड़ा ने 1977 के सत्ता परिवर्तन का हवाला देकर पूछा, भारत जैसे लोकतंत्र में सत्ता कैसे बदलती है? चुनाव के जरिए ही बदलती है। उन्होंने जोड़ा कि कांग्रेस वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान चलाकर मौजूदा सरकार को हराने और व्यवस्था बदलने की अपनी मंशा स्पष्ट रूप से दोहरा रही है। कांग्रेस नेता खेड़ा का ये बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस दावे के जवाब में आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आयोग के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल कर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। सिंह ने आरोप लगाया था कि विपक्ष युवाओं को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाकर देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, और वे बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में भी सत्ता बदलना चाहते हैं।

सीजेपी के प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित, सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

-सुनवाई के दौरान माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगा वरिष्ठ वकील ने सात मामलों से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली के कनॉट प्लेस में शुक्रवार को प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च को लेकर विवाद गहरा गया। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित होने की आशंका पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई और उम्मीद व्यक्त की कि प्रदर्शनकारियों को सद्बुद्धि आएगी। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने मार्च की अनुमति देने से इनकार करते हुए लोगों से इससे दूर रहने की अपील की। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान कथित अव्यवस्था से नाराज वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने सात मामलों की पैरवी से खुद को अलग कर लिया।

गौरतलब है कि सीजेपी ने शुक्रवार शाम कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में एकत्र होकर तिरंगा मार्च निकालने का ऐलान किया था। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने लोगों से राष्ट्रीय ध्वज के साथ पहुंचने की अपील की। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। पुलिस के अनुसार, इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू है, जिसके तहत लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। पुलिस ने यह भी कहा कि सीमित संख्या में लोगों को किसी उपयुक्त स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने की सुविधा दी जा सकती है।

इधर, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए शुक्रवार और शनिवार को सेंट्रल पार्क आम लोगों के लिए बंद रखने की घोषणा की। यह घटनाक्रम दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सीजेपी को प्रदर्शन करने से रोकने से इनकार किए जाने के बाद सामने आया। प्रदर्शन का ऐलान संगठन के नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी तथा उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद किया गया था।

कनॉट प्लेस के व्यापारियों के संगठन न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने राजनीतिक दलों और प्रदर्शनकारियों से अपील की कि वे विरोध-प्रदर्शन के लिए किसी अन्य स्थान का चयन करें। संगठन ने कहा कि वह विरोध करने और अपनी आवाज उठाने के अधिकार का सम्मान करता है, लेकिन कनॉट प्लेस व्यापारियों का कार्यस्थल है। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित नहीं होना चाहिए। संगठन ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि बेहतर भविष्य के लिए प्रदर्शन करते समय लोगों के वर्तमान रोजगार और आजीविका को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान विवाद

इसी मामले से जुड़े सात प्रकरणों में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान बार-बार बाधा डालने और माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अदालत में व्यवस्था बनाए रखने में पीठ विफल रही और ऐसी परिस्थितियों में काम जारी रखना संभव नहीं है। उनके मुताबिक, अदालत की गरिमा किसी भी मामले में अपनी उपस्थिति बनाए रखने से

अधिक महत्वपूर्ण है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने करीब 46 याचिकाओं पर सुनवाई की। ये याचिकाएं पुलिस कार्रवाई, कथित गैरकानूनी हिरासत, आवाजाही पर प्रतिबंध, पत्रकारों के अधिकारों और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति से संबंधित थीं। सुनवाई के दौरान हुई कथित अव्यवस्था के बाद शंकरनारायणन ने संबंधित सात मामलों से अपना नाम वापस लेने की घोषणा की।

सऊदी अरब आने-जाने वाले सभी एअर इंडिया उड़ानें रद्द, प्रभावित यात्रियों को रिफंड लौटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में बिगड़ते हालात को देखते हुए एअर इंडिया ने रियाद, दम्माम और जेद्दा आने और जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने 16 अक्टूबर को एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जा रहा है। सऊदी अरब में हाल के हमलों से हवाई यातायात प्रभावित है और 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुए हूती हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एअर इंडिया ने कहा कि सऊदी अरब में बदलती स्थिति को देखते हुए ये उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द रहेंगी। कंपनी घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही है और सुरक्षित तरीके से परिचालन दोबारा शुरू करने के लिए हालात का आकलन कर रही है। एयरलाइन का कहना है कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उड़ानें रद्द होने से सऊदी जाने और वहां से भारत लौटने की योजना बना रहे यात्रियों को परेशानी हो सकती है। इससे पहले सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल ने वहां रह रहे भारतीयों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की और कहा कि भारत इस मुश्किल समय में सऊदी जनता और नेतृत्व के साथ खड़ा है। उन्होंने मृतकों के परिवारों से संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दूतावास ने भारतीयों से शांत और सतर्क रहने को कहा है। हवाई हमले में खुले में न रहें, घर या सुरक्षित इमारत में रहें। हमलों की तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें, क्योंकि यह सऊदी कानूनों का उल्लंघन हो सकता है। दूतावास, वाणिज्य दूतावास और आउटसोर्स सेवा प्रदाता काम कर रहे हैं, इसलिए पासपोर्ट जैसी सेवाओं के लिए संपर्क करें। उमरा यात्रियों के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन जारी है।

मोदी का विरोध अपनी जगह पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता

-असदुद्दीन ओवैसी बोले- बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है

नई दिल्ली, एजेंसी।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एलन मस्क के बयानों पर कहा कि पीएम मोदी का विरोध अपनी जगह है, पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता। स्टारलिंक को भारत में मंजूरी मिलने में देरी से शुरू हुए इस विवाद में राहुल गांधी ने उद्योगपतियों से सरकार के रिश्तों पर हमला बोला, जबकि ओवैसी ने बीजेपी से राष्ट्रवाद पर सवाल पूछा। स्पेसएक्स के मालिक और टेस्ला के सीईओ मस्क ने आरोप लगाया है कि कुछ ओलिगार्क अपना दबदबा बचाने के लिए स्टारलिंक की एंट्री रोक रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी भारत के असली बॉस हैं, और उन्हें पीएम मुकेश अंबानी तक कह डाला।

सरकार के मुताबिक स्टारलिंक, रिलायंस जियो की सैटेलाइट कंपनी और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब, तीनों लाइसेंसधारी कंपनियों की सुरक्षा जांच चल रही है और वे करीब एक ही चरण में हैं। सुरक्षा जांच और स्पेक्ट्रम मंजूरी के बिना कोई सेवा शुरू नहीं कर सकता। मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ एआईएमआईएम के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद हैदराबाद में सांसद ओवैसी ने कहा कि वे हमेशा पीएम मोदी के खिलाफ थे और रहेंगे, लेकिन एलन मस्क पीएम के बारे में ऐसा कैसे लिख सकते हैं। उन्होंने पूछा कि बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है।

राहुल ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया, अपमान का सवाल ही नहीं: शिवकुमार

-प्रदर्शन में डीके को धक्का देने से गरमाई राजनीति, भाजपा ने अपमान बताया

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार को लेकर उठे कथित विवाद पर सीएम डीके शिवकुमार ने सफाई दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राहुल गांधी ने ही उन्हें सीएम बनाया है और उनके प्रति अपमान जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने बीजेपी और कुछ मीडिया संस्थानों पर इसे राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। वहीं, बीजेपी ने भी आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने सीएम को किनारे कर कन्नड़ लोगों का अपमान किया है।

बता दें यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर दावा किया कि राहुल गांधी ने डीके शिवकुमार को धक्का देकर किनारे कर दिया। हालांकि, शिवकुमार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में भीड़ बहुत ज्यादा थी और राहुल गांधी उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे, इसलिए उन्होंने शिवकुमार को पीछे आ रहे वाहन में बैठने के लिए कहा था।

शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कई मीडिया संस्थानों और बीजेपी नेताओं ने इस घटना को अपमान के तौर पर पेश करना गलत है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी और राहुल गांधी के आशीर्वाद से मैं सीएम बना हूं। यह पूरा आशीर्वाद है और हम यहां सरकार चला रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के मतदाताओं के हितों की रक्षा कर रही है और वे देश के मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने के लिए एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। कुछ मीडिया संस्थान और बीजेपी नेता इस मुद्दे को लेकर बेवजह राजनीति और विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डॉ जी परमेश्वर ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी, जिससे मुख्यमंत्री के दावों को बल मिला। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शनों और बड़ी जनसभाओं में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। परमेश्वर ने समझाया कि उस स्थान पर सुरक्षा कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी राहुल गांधी की रक्षा करना और भीड़ को उनके करीब आने से रोकना था। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्यवश मुख्यमंत्री भी उस क्षेत्र की ओर बढ़ गए और भीड़ के बीच उन्हें हल्का धक्का लग गया, जो कि परिस्थितियों का परिणाम था, न कि किसी अपमानजनक इरादे का।

रिपोर्ट के मुताबिक इस विवाद पर बीजेपी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक और बीजेपी नेता एन रवि कुमार ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सीएम डीके शिवकुमार को धक्का देना कन्नड़ लोगों का अपमान है। रवि कुमार ने कहा कि यह घटना राहुल गांधी की अपनी ही पार्टी के सीएम के प्रति अनादर को दर्शाती है। इस प्रकार, दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई घटना को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

यूनुस शेख एआईएमआईएम के किसी भी पद पर नहीं थे और न ही पार्टी के सदस्य थे

-पार्षद सहर के पिता के शिवसेना में शामिल होने पर वारिस पठान ने दी सफाई

मुंबई, एजेंसी।

महाराष्ट्र के ठाणे नगर महापालिका की नवनिर्वाचित एआईएमआईएम पार्षद सहर के पिता यूनुस शेख के एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल होने की खबर पर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। इस घटनाक्रम को लेकर विरोधी दलों ने तंज कसने और भगवा रंग से जोड़ने की कोशिशों के बीच एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने एक वीडियो जारी कर सच्चाई बताई और इस मामले पर विराम लगाने का प्रयास किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वारिस पठान ने साफ किया कि यूनुस शेख ने किसी राजनीतिक दल को नहीं, बल्कि एक केवल यूनिट को जॉइन किया है। यूनुस शेख पिछले तीस सालों से केवल व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और वे उससे संबंधित एक संस्थान का हिस्सा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यूनुस शेख एआईएमआईएम के किसी भी पद पर नहीं थे और न ही वे पार्टी के आधिकारिक सदस्य थे। पठान ने यह भी बताया कि उन्होंने सहर यूनुस शेख से बात की है, जिन्होंने स्पष्ट किया है कि वह एआईएमआईएम की कॉर्पोरेटर थीं, हैं और हमेशा रहेंगी। सहर ने पहले जीत के बाद मुंब्रा को हरा करने का दावा किया था, जिससे विवाद पैदा हुआ था।

पठान ने इस मामले पर मचे बवाल को अनावश्यक बताते हुए कहा कि भारत में यह कोई नई बात नहीं है कि एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों में होते हैं। उन्होंने कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां पिता, बेटी और बेटे अलग-अलग दलों में सक्रिय हैं। पठान ने कहा कि यूनुस शेख अपनी मनमर्जी के मालिक हैं और वह कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं, क्योंकि उनका एआईएमआईएम से कोई संगठनात्मक संबंध नहीं था। एआईएमआईएम ने उन अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें सहर शेख के भी शिवसेना की ओर झुकाव की बात कही जा रही थी।

पीएम मोदी ने नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि किया नमन

-भवानी अष्टकम का यूट्यूब लिंक साझा कर भजन में देवी महिमा का बखान किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मां कात्यायनी को नमन करते हुए एक्स पर देवी स्तुति से जुड़े एक भजन का यूट्यूब लिंक साझा किया। मोदी ने अपने इस पोस्ट में लिखा- नवरात्रि की पवित्र षष्ठी पर मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन! मेरी कामना है कि उनकी अनुकंपा से हर किसी के जीवन में असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने एक्स पोस्ट में आदि शंकराचार्य द्वारा रचित और माधवी मधुकर झा के गाए भजन भवानी अष्टकम का यूट्यूब लिंक साझा किया। इस भजन में देवी महिमा का बखान किया गया है। मां से प्रार्थना की गई है कि हे देवी! तुम ही मेरी गति हो।

इससे पहले देवी की स्तुति करते हुए पीएम मोदी की ओर से सुभाषित भी साझा किया गया। संस्कृत श्लोक, तव च का किल न स्तुतिरम्बिके! सकलशब्दमयी किल ते तनुः। निखिलमूर्तिषु मे भवदन्वयो मनसिजासु बहिःप्रसरासु च॥ शेयर किया गया। जिसका भावार्थ है कि हे जगदम्बिके! संसार में भला ऐसा कौन-सा शब्द है, जो आपकी स्तुति नहीं है? क्योंकि आपका स्वरूप तो समस्त शब्दों से बना है। हे देवी! मेरे मन में उठने वाले सभी विचारों और बाहर दिखाई देने वाली समस्त आकृतियों एवं मूर्तियों में मुझे आपका ही स्वरूप दिखाई देता है। नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जा रही है। मां कात्यायनी देवी दुर्गा का छठा रूप है। मां की चार भुजाएं हैं। उनके एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में कमल पुष्प है। उनके अन्य दोनों हाथ वरद मुद्रा और अभय मुद्रा में हैं। उनका वाहन सिंह है।

दुनिया में जारी संघर्षों के बीच 'तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा': दलाई लामा

- धर्मगुरु ने कहा- तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम

नई दिल्ली, एजेंसी।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने संदेश दिया है कि दुनिया में जारी संघर्ष और बदलते भू-राजनीतिक हालात के बावजूद तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा। उन्होंने तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम बताया। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब तिब्बती धर्मगुरु के उत्तराधिकारी को लेकर चीन के साथ मतभेद बने हुए हैं और भारत-चीन के बीच सीमा विवाद भी तनावपूर्ण है।

दलाई लामा ने तिब्बत के लोगों के लिए उम्मीद की किरण जगाते हुए कहा कि हालात चाहे जैसे भी हों, तिब्बत का मुद्दा उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ों, उसकी परंपराओं और धर्म को बचाए रखने से जुड़ा है। यह संदेश इस बात पर जोर देता है कि तिब्बत का सवाल सिर्फ राजनीतिक अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ तिब्बती लोगों की भाषा, संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और उनकी अलग पहचान भी जुड़ी हुई है। दलाई लामा 1959 से भारत में रह रहे हैं, और धर्मशाला तिब्बती निर्वासित समुदाय तथा उसके धार्मिक-राजनीतिक संस्थानों का एक प्रमुख केंद्र है, जहां दशकों से तिब्बती समुदाय अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत के भविष्य से जुड़ा एक बड़ा सवाल दलाई लामा के उत्तराधिकारी का भी है, जिस पर चीन से गहरा विवाद है। जुलाई 2025 में दलाई लामा ने स्पष्ट किया था कि उनके अगले अवतार की पहचान करने का अधिकार केवल गदेन फोडरंग ट्रस्ट के पास होगा और इस प्रक्रिया में किसी दूसरे पक्ष को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। इसके उलट, चीन का कहना है कि अगले दलाई लामा की पहचान चीनी कानूनों, धार्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक व्यवस्थाओं के मुताबिक होनी चाहिए और उत्तराधिकारी को चीन की केंद्र सरकार की मंजूरी मिलनी जरूरी है। दलाई लामा का यह संदेश इस बात को रेखांकित करता है कि तिब्बत का मुद्दा केवल बदलते राजनीतिक समीकरणों से तय नहीं होगा, बल्कि तिब्बती संस्कृति, धर्म और परंपराओं को बचाने की कोशिशें इसे जीवित रखेंगी।

हाल ही में भारत और चीन के बीच लद्दाख पर टिप्पणियों को लेकर भी मतभेद सामने आए हैं। 13 अक्टूबर 2026 को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लद्दाख को भारत का अभिन्न बताया था, जिसके बाद चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने संबंधित क्षेत्रों पर अपने दावे दोहराए।

हिंदी के प्रचार-प्रसार में बंगाल की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

महेश कुमार गुप्ता: पश्चिम बंग राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की ओर से राममोहन लाइब्रेरी सभागार में "हिंदी के प्रचार-प्रसार में बंगाल की भूमिका" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्वानों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों एवं हिंदी प्रचारकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि डॉ. भारत भूषण शर्मा, पूर्व प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, नौशहरा, राजौरी, संचालक, जम्मू-कश्मीर राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, उपाध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर श्री काशी विद्वत परिषद तथा हिंदी सलाहकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहे। इसके अलावा पश्चिम बंग राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के अध्यक्ष, पूर्व विधायक एवं साहित्यकार डी. पी. राय, समिति के मंत्री सूर्यवंशी चौधरी, डॉ. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रसिद्ध साहित्यकार एवं समीक्षक डॉ. नृसिंह प्रसाद भादुड़ी, राममोहन लाइब्रेरी के सचिव संजीत मित्रा सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में भारत सेवाश्रम संघ के महाराज श्री अन्वेषानंद जी ने हिंदी के महत्व और देश को एक सूत्र में जोड़ने में हिंदी की भूमिका पर अपने विचार रखे।

संगोष्ठी सत्र में डॉ. भारत भूषण शर्मा, डॉ. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी एवं प्रोफेसर डॉ. सुमिता चट्टोराज ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने बंगाल और हिंदी के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए बांग्लाभाषी विद्वानों, साहित्यकारों एवं हिंदी प्रचारकों के योगदान को रेखांकित किया।

इस अवसर पर पश्चिम बंग राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की ओर से महाराजा मनींद्र चंद्र कॉलेज के हिंदी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सुमिता चट्टोराज को "भाषाविद प्रोफेसर डॉ. सुनीति चटर्जी सम्मान-2026" से सम्मानित किया गया। हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनके 26 वर्षों के शिक्षण, शोध, लेखन तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार में निरंतर योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में डॉ. सुमिता चट्टोराज के संपादकत्व में प्रकाशित 'बंग ज्योति' जुलाई-अगस्त-सितंबर 2026 अंक का लोकार्पण भी किया गया। इसके संपादक-परामर्श मंडल में श्री सूर्यवंशी चौधरी, डॉ. शंतानु पाल एवं डॉ. अनिर्बाण घोष तथा संयोजक के रूप में श्रीमती जयिता सेन बराट, क्षेत्रीय निदेशक, पश्चिम बंग राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का योगदान रहा।

महाराजा मनींद्र चंद्र कॉलेज एवं खुदीराम सेंट्रल कॉलेज में समिति के सहयोग से आयोजित काव्यावृत्ति, निबंध लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान के लिए तापस कुमारी, निताई दास, निर्मल्य साहा, देवाशीष राय, रणजीत प्रसाद, रामाश्रय साह, परेशनाथ कर्मकार, सुशील कुमार शर्मा एवं अभिजीत कर्मकार सहित अनेक हिंदी प्रचारकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ख्यादह जनजातीय समुदाय की ओर से लोक परंपरा एवं लोक संस्कृति पर आधारित पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रसिद्ध गायक श्री पंकज दास एवं डॉ. सुमिता चट्टोराज ने गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर के गीतों की प्रस्तुति देकर समारोह को सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की।

समापन अवसर पर राममोहन लाइब्रेरी के प्रिंसिपल श्री तापस कुमार घोष ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने हिंदी के प्रचार-प्रसार में बंगाल की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए बंगाल की समृद्ध भाषिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा में हिंदी के विकास और प्रसार पर प्रकाश डाला।

पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. सुमिता चट्टोराज ने किया। आयोजन को सफल बनाने में पश्चिम बंग राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती जयिता सेन बराट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके सक्रिय सहयोग एवं समर्पण की विशेष रूप से सराहना की गई।

समग्र रूप से राष्ट्रीय संगोष्ठी ने बंगाल की बहुभाषिक एवं समन्वयवादी सांस्कृतिक परंपरा में हिंदी की भूमिका तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार में बंगाल के विद्वानों, साहित्यकारों एवं प्रचारकों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया।

सीमा के खिलाफ शिकायत दर्ज

चुनाव आयोग की डायरेक्टर जनरल (आईटी) डॉ. सीमा खन्ना के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी की हावड़ा जिला इकाई ने हावड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी का झंडा लेकर थाने के बाहर नारेबाजी भी की। बाद में सीमा खन्ना के खिलाफ शिकायत सौंपकर कार्यक्रम समाप्त किया गया।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्रीकांत घोष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की भूमिका के कारण भाजपा को अतिरिक्त लाभ मिला है। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में आम मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने सीमा खन्ना की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। श्रीकांत घोष ने कहा कि राज्य में जिन बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को कथित तौर पर फर्जी मतदाता बताया गया था, उनकी पहचान को लेकर चुनाव आयोग से पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की जानी चाहिए। उन्होंने पुराने बैलेट बॉक्स के जरिए मतदान कराने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटने की शिकायत सामने आ रही है। चूंकि आने वाले समय में हावड़ा नगर निगम का चुनाव होना है, इसलिए जिन लोगों के नाम अब तक मतदाता सूची में नहीं जुड़े हैं, उनके मामले में तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में मौजूद एक महिला ने दावा किया कि उनकी बहन ने 2026 के विधानसभा चुनाव में मतदान किया था। एसआईआर की सुनवाई में भी वह मौजूद हुई थीं, लेकिन मतदान के बाद उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया। महिला ने आरोप लगाया कि मुस्लिम होने के कारण नाम हटाए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने नाम मतदाता सूची में मौजूद हैं या नहीं, इसकी समय समय पर जांच कर लें।

वहीं, हावड़ा जिला भाजपा नेता ओम प्रकाश सिंह ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यदि भाजपा को इस तरह की प्रक्रिया से सत्ता में आना होता तो वह पहले भी ऐसा कर सकती थी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटे हैं, वे चुनाव आयोग और जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराएं।

ओम प्रकाश सिंह ने हावड़ा के जिलाधिकारी से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतें गलत पाई जाती हैं तो शिकायतकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो चुनाव आयोग की ओर से संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ने की प्रक्रिया की जानी चाहिए।

हावड़ा के लोगों के लिए मुफ्त एंबुलेंस सेवा
दो लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस शुरू

हावड़ा के आम लोगों के लिए अंजनी पुत्र सेना की ओर से मुफ्त एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। हावड़ा मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री उमेश राय और विधायक संजय सिंह ने दो लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस का उद्घाटन किया। इस पहल के तहत आपात स्थिति में हावड़ा के लोगों को मुफ्त एंबुलेंस सेवा मिल सकेगी।

कार्यक्रम में अंजनी पुत्र सेना के संस्थापक एवं सचिव सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि संगठन की ओर से शुरू की गई दोनों एंबुलेंस का इस्तेमाल आम लोगों के लिए पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा। आपात चिकित्सा की स्थिति में मरीजों को अस्पताल या चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाने के लिए इस सेवा का लाभ लिया जा सकेगा।

विधायक संजय सिंह ने कहा कि फिलहाल दो एंबुलेंस के साथ सेवा की शुरुआत की गई है। आने वाले दिनों में इस सेवा का विस्तार करने की योजना है। इसके अलावा जल्द ही एक शववाहन भी सेवा में शामिल किया जाएगा। एंबुलेंस और शववाहन, दोनों की सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क रहेंगी। आम लोग आसानी से इस सेवा का लाभ उठा सकें, इसके लिए जल्द ही एक मोबाइल नंबर जारी किया जाएगा। इस नंबर पर फोन कर सेवा प्राप्त की जा सकेगी।

मंत्री उमेश राय ने कहा कि अंजनी पुत्र सेना लंबे समय से सामाजिक जागरूकता और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्य कर रही है। विशेष रूप से सनातन समाज के बीच संगठन की ओर से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसी क्रम में आम लोगों की आपात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एंबुलेंस सेवा पहुंचाने की जिम्मेदारी अंजनी पुत्र सेना को दी गई है। उन्होंने बताया कि विधायक संजय सिंह की देखरेख में इन एंबुलेंसों को अंजनी पुत्र सेना के सुपुर्द किया गया है। संगठन के माध्यम से जरूरत के समय आम लोगों तक तेजी से और निःशुल्क सेवा पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

संजय सिंह ने कहा कि अंजनी पुत्र सेना लंबे समय से निष्ठा के साथ विभिन्न सामाजिक कार्य कर रही है। संगठन के सामाजिक कार्यों के अनुभव को देखते हुए ही इस सेवा के संचालन की जिम्मेदारी उसे दी गई है।

कार्यक्रम में अंजनी पुत्र सेना के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। संगठन की ओर से बताया गया कि भविष्य में हावड़ा के अधिक से अधिक लोगों तक इस निःशुल्क सेवा को पहुंचाने का लक्ष्य है।

हावड़ा में केदारनाथ धाम की झलक

दुर्गा पूजा के अवसर पर इस बार मध्य हावड़ा स्थित सहयात्री क्लब ने अपने 76वें वर्ष में केदारनाथ धाम की थीम पर भव्य पूजा मंडप तैयार किया है। केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाए गए इस मंडप को देखने के लिए श्रद्धालुओं और दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। मंडप के माध्यम से उन लोगों को भी बाबा केदारनाथ के दर्शन का अनुभव कराने की कोशिश की गई है, जो आर्थिक तंगी या अन्य कारणों से उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम की यात्रा नहीं कर पाते हैं। क्लब के पूजा आयोजन से जुड़े शिव शंकर साधुखां ने बताया कि इस थीम के पीछे आम लोगों की धार्मिक भावना और आस्था जुड़ी हुई है।

उन्होंने कहा कि बहुत से लोग चाहकर भी केदारनाथ धाम की यात्रा नहीं कर पाते। ऐसे श्रद्धालु सहयात्री क्लब के पूजा मंडप में आकर बाबा केदारनाथ के दर्शन का अनुभव कर सकते हैं।

मंडप के निर्माण में प्राकृतिक सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही, आयोजकों के अनुसार इसे अग्निरोधी सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। करीब 26 लाख रुपये के बजट से इस मंडप को दो महीने की मेहनत के बाद तैयार किया गया है।

निर्माण पूरा होने के बाद से ही मंडप को देखने के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। उद्घाटन समारोह के मद्देनजर कुछ समय के लिए मंडप को बंद रखा गया था। उद्घाटन के बाद इसे आम लोगों के दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा।

केदारनाथ धाम की थीम पर आधारित यह मंडप इस बार मध्य हावड़ा में दुर्गा पूजा के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हो गया है।

बैनर-पोस्टर फाड़ने का आरोप

हावड़ा: हावड़ा जिला भाजपा के मंडल-3 में महिला भाजपा कार्यकर्ता की ओर से लगाए गए बैनर-पोस्टर को रात के अंधेरे में फाड़ने का आरोप लगा है। इस घटना को लेकर मंडल-3 की महिला कार्यकर्ता सुजाता पांडे ने हावड़ा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सुजाता पांडे का आरोप है कि रात के अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों ने इस घटना को अंजाम दिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान करने और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने भाजपा के कुछ नेताओं को भी इस घटना की मौखिक जानकारी दी है।

जब सुजाता पांडे से पूछा गया कि क्या उन्हें किसी पर संदेह है, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी को बैनर-पोस्टर फाड़ते हुए नहीं देखा है। ऐसे में बिना किसी ठोस आधार के किसी पर संदेह करना उचित नहीं होगा। वहीं, हावड़ा नगर निगम चुनाव की संभावित सरगर्मी के बीच इस घटना को लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। निगम चुनाव को लेकर विभिन्न वार्डों में कई दावेदार अपनी उम्मीदवारी पेश करने में जुटे हैं।

'भक्ति ही शक्ति' थीम पर रामकृष्णपुर पल्ली के 80वें दुर्गोत्सव

हावड़ा: भक्ति में ही शक्ति निहित है और भक्ति के मार्ग से ही ईश्वर की आराधना संभव है। इसी विचार को केंद्र में रखकर हावड़ा के रामकृष्णपुर पल्ली सार्वजनिक दुर्गोत्सव को इस वर्ष विशेष रूप से सजाया गया है। पूजा के 80वें वर्ष में आयोजन की थीम 'भक्ति ही शक्ति' रखी गई है। महाचतुर्थी की शाम अभिनेत्री ओलिविया सरकार के हाथों इस दुर्गोत्सव का शुभारंभ हुआ।

मंडप में मां दुर्गा की दस भुजाओं में दस अलग-अलग अस्त्रों को दर्शाया गया है, जो इस वर्ष की थीम को विशेष अर्थ प्रदान करते हैं।

उद्घाटन समारोह में पहुंचीं अभिनेत्री ओलिविया सरकार ने कहा, 'यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। इतनी सुंदर थीम और मां दुर्गा की दस भुजाओं में दस अस्त्रों की परिकल्पना बेहद अनूठी है। इस वर्ष यह मेरी पहली दुर्गा मां के दर्शन हैं, इसलिए यह मेरे लिए बेहद खास है। रामकृष्णपुर पल्ली की यह पूजा 80वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इतने पुराने दुर्गोत्सव का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। सभी को शारदीय शुभकामनाएं। सभी स्वस्थ और खुश रहें तथा पूजा का भरपूर आनंद उठाएं। मां दुर्गा से प्रार्थना करती हूं कि सभी अच्छे और स्वस्थ रहें।'

वहीं, पूजा कमेटी के संयुक्त सचिव संजय घोष ने बताया कि रामकृष्णपुर पल्ली का संबंध श्रीश्रीरामकृष्ण परमहंस की स्मृतियों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार, श्रीरामकृष्ण के गृहस्थ भक्त नवगोपाल घोष उनके बारे में सुनकर इस इलाके में आए थे। इसी सिलसिले में बाद में स्वामी विवेकानंद का भी यहां आगमन हुआ था और उन्होंने यहां प्रणाम मंत्र की रचना की थी।

संजय घोष ने कहा, "ठाकुर श्रीरामकृष्ण कहा करते थे कि कलियुग में भक्ति ही सब कुछ है। भक्ति के माध्यम से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है। भक्त का हृदय भगवान का बैठकखाना है। दूसरी ओर, मां दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं। हम शाक्त हैं और बंगाली समाज की परंपरा में भी शक्ति उपासना का विशेष महत्व है। प्रत्येक महिला के भीतर शक्ति का जो स्वरूप प्रकट होता है, हम उसी को देखते हैं। इसलिए भक्ति के माध्यम से शक्ति की आराधना और ईश्वर की प्राप्ति के विचार को इस वर्ष की थीम में प्रस्तुत किया गया है।"

थीम के अनुरूप मंडप में मां दुर्गा के दस अस्त्रों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। इंद्र के वज्र और शंख से लेकर महादेव के नागपाश तक, प्रत्येक अस्त्र के महत्व को मंडप की सजावट के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया गया है। इसी अवधारणा को ध्यान में रखकर मां दुर्गा की प्रतिमा और उसकी सजावट भी तैयार की गई है।

पूजा कमेटी की ओर से बताया गया कि हर वर्ष नई अवधारणा और थीम के माध्यम से श्रद्धालुओं तक एक विशेष संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इस बार 80वें वर्ष में 'भक्ति ही शक्ति' थीम के जरिए भक्ति और शक्ति के समन्वय को दुर्गोत्सव का मुख्य आकर्षण बनाने की पहल की गई है।

NAME CHANGE

I VIVEK DAS, S/o Biki Das, R/o 109/8, 'C' Road, Bibek Nagar, Bamangachi, Salkia, P.S.- Liluah, Dist.- Howrah- 711106, declare that, in my Aadhaar Card being No. 6388 6857 0116, my name has been recorded as SUMIT KUMAR DAS instead of my actual name VIVEK DAS which is recorded in my Madhyamik School Certificate of West Bengal, being Admit Card Registration No. 5221-136616 Roll 809603 N No. 0001. As per affidavit vide Sl. No. K/Oct/182/26 before the Notary Public at Howrah on 03.10.2026, VIVEK DAS and SUMIT KUMAR DAS is the same and one identical person.

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com